छत्तीसगढ़
सहकारी समाचार

वर्ष- 23 अंक - 6 जून 2026 द्वितीय पाक्षिक RNI NO. CHHHIN/2012/45105 पृष्ठ-12 मूल्य 500/- वार्षिक

साय सरकार सहकारिता आंदोलन को जनभागीदारी का महाअभियान बना रही है : केदार कश्यप

सहकारिता सप्ताह का हुआ भव्य शुभारंभ, किसानों और ग्रामीणों को मजबूत बनाने पर जोर

सहकारिता आंदोलन के जनक पंडित वामनराव बलिराम लाखे को दी गई श्रद्धांजलि

रायपुर। सहकारिता मंत्रालय के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सहकारिता सप्ताह के शुभारंभ आज जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, रायपुर में सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि लोगों को साथ लेकर विकास करने की एक मजबूत सोच है। सरकार का मुख्य लक्ष्य सहकारिता को एक जनआंदोलन बनाकर प्रत्येक ग्रामीण परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना है।

गांव-गांव तक सहकारिता को मजबूत कर रही सरकार

राज्य सरकार के प्रयासों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सहकारिता को गांव-गांव तक मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। प्राथमिक कृषि साख समितियों को सशक्त बनाया जा रहा है, किसानों को समय पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है तथा सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता और आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

सहकारिता क्षेत्र को मिली नई पहचान

मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के बाद, केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में देश में सहकारिता क्षेत्र को एक नई और मजबूत पहचान मिली है। पिछले पांच वर्षों में सहकारिता के माध्यम से किसानों, महिलाओं, युवाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए कई ऐतिहासिक व महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

साथ मिलकर विकास ही सहकारिता का मूल मंत्र

मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि साथ मिलकर विकास ही सहकारिता का मूल मंत्र है और इसी भावना से आत्मनिर्भर भारत तथा विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण संभव होगा। उन्होंने सहकारी संस्थाओं के पदाधिकारियों और कर्मचारियों से पूरी सेवा, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करने का आग्रह किया, ताकि सहकारी व्यवस्था पर जनता का विश्वास और अधिक मजबूत हो सके। उन्होंने आगे कहा कि यह सहकारिता सप्ताह केवल एक आयोजन नहीं है, बल्कि सहकारिता की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का महाअभियान है। सप्ताहभर चलने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से नई पीढ़ी को सहकारिता से जोड़ने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक नई गति देने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ सहकारिता आंदोलन के जनक पंडित वामनराव बलिराम लाखे की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर की।

इनकी रही मौजूदगी

इस महत्वपूर्ण अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित के अध्यक्ष श्री केदारनाथ गुप्ता, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रायपुर के अध्यक्ष श्री निरंजन सिन्हा, उपाध्यक्ष श्री अभिनेष कश्यप, छग राज्य सहकारी संघ के अध्यक्ष श्री सौरभ शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सहकारी संस्थाओं के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित थे।

सहकारी सप्ताह का शुभारंभ : फहराया गया सहकारी ध्वज, सहकार से समृद्धि की ली गई प्रतिज्ञा

रायपुर। केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय के गौरवशाली 5 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेश के सभी पैक्सों व जिलों में 29 जून से 06 जुलाई तक 'सहकारिता सप्ताह-2026' का आयोजन किया जा रहा है। 'सहकार से समृद्धि, की थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से आम लोगों को सहकारिता के प्रति जागरूक किया जायेगा।

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ द्वारा भी संघ के अध्यक्ष श्री सौरभ शर्मा ने सहकारी ध्वज फहराकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सहकार से समृद्धि के लिए सभी कर्मचारियों को प्रतिज्ञा दिलाई गई। श्री शर्मा ने बताया कि, सहकारी सप्ताह के दौरान प्रदेशभर में सहकारिता जागरूकता अभियान, सहकार दौड़, वृक्षारोपण, रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, संगोष्ठियां, प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा उत्कृष्ट सहकारी संस्थाओं एवं सहकारिता से जुड़े व्यक्तियों के सम्मान सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सहकारी संगोष्ठी 3-4 जुलाई को कृषि विश्वविद्यालय में

राज्य स्तरीय सहकारी चिंतन शिविर, सहकार मेला, अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस समारोह एवं सहकारी संगोष्ठी का आयोजन 3 एवं 4 जुलाई 2026 को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित कृषि मंडपम ऑडिटोरियम, लाभांडी (रायपुर) में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि तथा सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप अध्यक्षता करेंगे। सहकारी संस्थाओं और राष्ट्रीय संगठनों की होगी भागीदारी कार्यक्रम में पैक्स, दुग्ध, मत्स्य, लघु वनोपज, बुनकर एवं अन्य सहकारी समितियों के साथ-साथ नाबार्ड, एनसीडीसी, एनसीसीएफ, नैफेड, सीएससी, इफ्को, कृभको, राज्य सहकारी संघ तथा अन्य प्रमुख संस्थाएं अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेंगी।

सहकारिता सामूहिक विकास का सशक्त आधार : शर्मा- श्री शर्मा ने कहा कि, सहकारिता केवल आर्थिक विकास का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, आत्मनिर्भरता और सामूहिक विकास का सशक्त आधार है। उन्होंने सभी सहकारी संस्थाओं, किसानों, युवाओं, महिलाओं एवं आम नागरिकों से इन कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी कर सहकारिता आंदोलन को और मजबूत बनाने का आग्रह किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि, सहकारी सप्ताह के माध्यम से सहकारिता के मूल सिद्धांतों "सहकार से समृद्धि" को नई ऊर्जा मिलेगी तथा प्रदेश में सहकारिता के प्रति जन-जागरूकता और सहभागिता में वृद्धि होगी।

इनकी रही मौजूदगी

छग राज्य सहकारी संघ के अध्यक्ष सौरभ शर्मा, प्रबंध संचालक श्रीमती पूर्णिमा सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी पीसी ध्रुव, जिला सहकारी संघ रायपुर की प्रबंधक श्रीमती मंजूषा तिवारी, राज्य सहकारी संघ व जिला संघ के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सहकारिता सप्ताह को जनआंदोलन बनाने की तैयारी, प्रदेशभर में होंगे अनेक आयोजन

- **सहकारिता मंत्रालय के 5 वर्ष पूर्ण होने पर 29 जून से 6 जुलाई तक मनाया जाएगा सहकारी सप्ताह**
- **मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मुख्य आतिथ्य में रायपुर में होगा राज्य स्तरीय सहकारी चिंतन शिविर एवं सहकार मेला**

रायपुर। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 जून से 6 जुलाई 2026 तक पूरे देश में सहकारी सप्ताह मनाया जाएगा। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ में भी सहकारिता के माध्यम से समृद्धि, आत्मनिर्भरता और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। राज्य स्तरीय सहकारी चिंतन शिविर, सहकार मेला, अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस समारोह एवं सहकारी संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा, इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि तथा सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप अध्यक्षता करेंगे।

2573 पैक्स समितियों में होंगे विविध कार्यक्रम

सहकारी सप्ताह के दौरान प्रदेश की सभी 2573 पैक्स समितियों सहित दुग्ध, मत्स्य, बुनकर एवं अन्य सहकारी समितियों द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इनमें प्रमुख रूप से सहकारी ध्वजारोहण, सदस्यता अभियान, माइक्रो एटीएम, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) एवं रू-पे केसीसी कार्ड वितरण, सहकार दौड़, वृक्षारोपण अभियान, मृदा परीक्षण, कृषक संगोष्ठियां एफपीओ एवं पैक्स की भूमिका पर परिचर्चा आदि कार्यक्रम शामिल हैं।

9 पैक्स गोदामों का होगा भूमिपूजन

सहकारी सप्ताह के समापन अवसर पर 6 जुलाई 2026 को भारत सरकार के केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री द्वारा सहकारी क्षेत्र में विकेंद्रीकृत विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना के अंतर्गत प्रदेश के 9 पैक्स में गोदाम निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया जाएगा।

रायपुर में होगा राज्य स्तरीय सहकारी चिंतन शिविर एवं सहकार मेला

राज्य स्तरीय सहकारी चिंतन शिविर, सहकार मेला, अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस समारोह एवं सहकारी संगोष्ठी का आयोजन 3 एवं 4 जुलाई 2026 को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित कृषि मंडपम ऑडिटोरियम, लाभांडी (रायपुर) में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि तथा सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप अध्यक्षता करेंगे। सहकारी संस्थाओं और राष्ट्रीय संगठनों की होगी भागीदारी कार्यक्रम में पैक्स, दुग्ध, मत्स्य, लघु वनोपज, बुनकर एवं अन्य सहकारी समितियों के साथ-साथ नाबार्ड, एनसीडीसी, एनसीसीएफ, नैफेड, सीएससी, इफ्को, कृभको, राज्य सहकारी संघ तथा अन्य प्रमुख संस्थाएं अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेंगी।

सहकारिता से समृद्धि के मॉडल होंगे प्रदर्शित

सहकार मेले में सहकारिता क्षेत्र की उपलब्धियों, नवाचारों और सफल मॉडलों का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही किसानों, महिला समूहों, दुग्ध उत्पादकों, मत्स्य पालकों, बुनकरों एवं ग्रामीण उद्यमियों को सहकारी योजनाओं से जोडने के लिए विशेष गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

आयोजन की रूपरेखा पर हुई विस्तृत चर्चा

बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, सहभागिता और विभिन्न गतिविधियों के सफल संचालन पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सभी ने सहकारिता आंदोलन को और अधिक सशक्त बनाने तथा सहकारी सप्ताह को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

बैठक में इनकी रही उपस्थिति

सहकारी सप्ताह के आयोजन को लेकर सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में हुई बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्या. (अपेक्स बैंक) के प्राधिकृत अधिकारी श्री केदार नाथ गुप्ता, छग राज्य सहकारी विपणन संघ मार्कफेड के अध्यक्ष श्री शशिकांत द्विवेदी, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक दुर्ग के अध्यक्ष श्री प्रीतपाल बेलचंदन, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक राजनांदगांव अध्यक्ष श्री सचिन बघेल, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक रायपुर अध्यक्ष श्री निरंजन सिन्हा, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक बिलासपुर अध्यक्ष श्री रजनीश सिंह, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक जगदलपुर श्री दिनेश कश्यप, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक अध्यक्ष अंबिकापुर श्री रामकिशुन सिंह एवं अन्य सहकारी प्रतिनिधियों अपेक्स बैंक, मार्कफेड, जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों तथा अन्य सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने तैयारियों की समीक्षा की

गौरतलब है कि, सहकारी सप्ताह के सफल आयोजन के लिए सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने विगत 23 जून को विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इसके साथ ही उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश की पैक्स समितियों के प्राधिकृत अधिकारियों एवं संभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री श्री कश्यप ने सभी संबंधित संस्थाओं और समितियों को आयोजन में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा सहकारिता आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

एआई के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनेगा छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री साय

- **एआई मिशन के जरिए युवाओं को कौशल, रोजगार और नवाचार के मिलेंगे नए अवसर**
- **शासन-प्रशासन को अधिक दक्ष, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए एआई आधारित व्यवस्था होगी विकसित**

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में राज्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के विकास एवं विस्तार, मोबाइल नेटवर्क सुदृढ़ीकरण, इंटरनेट कनेक्टिविटी, सेवा सेतु, ई-प्रगति पारस (प्रोजेक्ट असेसमेंट रिव्यू एवं एनालिसिस सिस्टम), सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, डेटा लैब्स तथा विभिन्न डिजिटल नवाचार परियोजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। इसके साथ ही युवाओं के लिए कौशल विकास, रोजगार सृजन, स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाने तथा तकनीक आधारित सुशासन को नई गति देने के विभिन्न आयामों पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और राज्य इस क्षेत्र में देश का अग्रणी प्रदेश बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि एआई केवल भविष्य की तकनीक नहीं, बल्कि सुशासन, पारदर्शिता, दक्षता और जनसेवा को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रभावी माध्यम है। एआई के प्रभावी उपयोग से शासन-प्रशासन को अधिक सक्षम, पारदर्शी, त्वरित एवं नागरिक-केंद्रित बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल नई तकनीक को अपनाना नहीं है, बल्कि प्रदेश के लोगों को एआई के लिए तैयार करना, व्यवसायों की उत्पादकता बढ़ाना, नागरिकों की आय में वृद्धि करना तथा बेहतर सार्वजनिक सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, कौशल विकास और दैनिक प्रशासनिक कार्यों में एआई के व्यापक उपयोग से आम नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इसके लिए राज्य में मजबूत एआई इकोसिस्टम विकसित किया जाएगा तथा सुरक्षित, विश्वसनीय और जिम्मेदार एआई के उपयोग को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

बैठक में प्रस्तुत विजन दस्तावेज में बताया गया कि राज्य का लक्ष्य छत्तीसगढ़ को एआई के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाना है, जहां प्रत्येक नागरिक अपनी भाषा में एआई सीख सके, सरकार तकनीक आधारित भरोसेमंद सेवाएं प्रदान करे और उद्योगों तथा व्यवसायों को नई गति मिले। इस मिशन के अंतर्गत पांच प्रमुख स्तंभों - एआई कौशल विकास, नवाचार एवं स्टार्टअप, जागरूकता एवं आउटरीच, सुरक्षित एवं जिम्मेदार एआई तथा शासन में एआई के उपयोग - पर कार्य किया जाएगा। प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि छत्तीसगढ़ में विद्यार्थियों तथा सरकारी कर्मचारियों को एआई का प्रशिक्षण देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके तहत स्कूलों में एआई जागरूकता कार्यक्रम, एआई एवं रोबोटिक्स क्लब तथा हैकाथॉन आयोजित किए जाएंगे। महाविद्यालयों में एआई सर्टिफिकेशन कार्यक्रम, छात्र परियोजनाओं के लिए अनुदान, आईटीआई में एआई लैब तथा विश्वविद्यालयों में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे। राज्य में नवाचार और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एआई डेटा लैब्स, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, एआई आधारित स्टार्टअप, डेटा सेट तथा अनुसंधान परियोजनाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त क्लाउड कंप्यूटिंग सुविधा, सीड फंडिंग तथा उद्योगों एवं शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से अत्याधुनिक एआई आधारित स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित करने की भी कार्ययोजना प्रस्तुत की गई।

बैठक में सुरक्षित एवं जिम्मेदार एआई उपयोग को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि राज्य स्तर पर एआई नीति तैयार की जाएगी, जिसमें डेटा सुरक्षा, नागरिकों की निजता का संरक्षण, नियमित तकनीकी ऑडिट तथा केंद्र सरकार के डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (डीपीडीपी) कानून के अनुरूप व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी। शासन में एआई के प्रभावी उपयोग के लिए विभिन्न विभागों में एआई आधारित निर्णय सहायता प्रणाली विकसित की जाएगी, प्रत्येक विभाग का अलग रोडमैप तैयार होगा, एआई नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। इसके साथ ही सरकारी एआई पायलट परियोजनाएं प्रारंभ करने का लक्ष्य रखा गया है। नागरिकों को उनकी अपनी भाषा में डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए भाषिणी प्लेटफॉर्म का भी उपयोग किया जाएगा, जिससे सरकारी सेवाएं अधिक सरल, सुलभ और समावेशी बन सकें।

बैठक में मोबाइल नेटवर्क विस्तार की समीक्षा के दौरान बताया गया कि पिछले ढाई वर्षों में डीबीएन वित्तपोषित लगभग एक हजार मोबाइल टॉवर स्थापित कर राज्य ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इसके अतिरिक्त 577 नए मोबाइल टावरों की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। इनमें से 406 टावरों के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है, जबकि शेष 171 प्रकरणों का निराकरण आगामी एक माह के भीतर करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री ने दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। भारतनेट फेज-3 की समीक्षा में अधिकारियों ने बताया कि राज्य की 4,114 ग्राम पंचायतों को रिंग टोपोलॉजी आधारित आधुनिक नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। इसके साथ ही आईपी-एमपीएलएस आधारित एकीकृत नेटवर्क विकसित किया जाएगा तथा गांवों तक एफटीटीएच सेवाओं का विस्तार सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाली इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध हो सकें और डिजिटल सेवाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

सहकारी ध्वजारोहण के साथ जगदलपुर में सहकारी सप्ताह का शुभारंभ

■ जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक में भव्य समारोह

जगदलपुर। सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दिनांक 29 जून से 6 जुलाई तक आयोजित किए जा रहे ÷सहकारी सप्ताह÷ के प्रथम दिवस जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, जगदलपुर के प्रधान कार्यालय परिसर में सहकारी ध्वजारोहण के साथ सहकारी सप्ताह का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सहकारी ध्वजारोहण से हुआ, जिसके उपरांत उपस्थित अधिकारियों,कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा सहकारी ध्वजगीत का सामूहिक गायन किया गया तथा सहकार से समृद्धि की संकल्पना को साकार करने हेतु सहकारिता की शपथ ग्रहण की गई।

मिश्रा ने दी गतिविधियों की दी जानकारी

इस अवसर पर बैंक के माननीय उपाध्यक्ष श्री श्रीनिवास मिश्रा ने सहकारी सप्ताह की विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि, केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय द्वारा पैक्स कम्प्यूटरीकरण, बहुउद्देशीय सहकारी समितियों के गठन एवं सुदृढ़ीकरण सहित अनेक नवाचारों के माध्यम से देश के कृषकों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे उनकी आय एवं व्यवसाय के विस्तार के नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। उन्होंने दुग्ध, मत्स्य, वनोपज एवं अन्य सहकारी समितियों की भूमिका पर भी प्रकाश डालते हुए अधिक से अधिक कृषकों को सहकारिता से जोड़ने एवं उनकी आय वृद्धि हेतु सामूहिक प्रयास कर का आह्वान किया।

मंत्रालय बनने से मिली नई गति : पांडेय

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री रंजीत पाण्डेय, प्रदेश सह-संयोजक, सहकारिता प्रकोष्ठ ने क कि केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय के गठन के पश्चात देश में सहकारिता आंदोलन को नई दिशा गति मिली है। उन्होंने अधिकाधिक लोगों को सहकारी सदस्यता से जोड़कर सहकारिता के विस् एवं जनभागीदारी को मजबूत बनाने का आह्वान किया तथा सहकारिता रुपी वृक्ष को और अनि विशाल एवं सशक्त बनाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने की प्रेरणा दी।

सदस्यता अभियान को दें बढ़ावा : कश्यप

बैंक के माननीय अध्यक्ष श्री दिनेश कश्यप ने अपने उद्बोधन में सहकारी सप्ताह के दौरान अधि अधिक लोगों को सहकारी सदस्यता अभियान से जोड़ने पर विशेष बल दिया। उन्होंने देश के य केंद्रीय सहकारिता मंत्री माननीय श्री अमित शाह द्वारा प्रारंभ किए गए ÷सहकार से समृद्धि÷ अ के माध्यम से सहकारिता क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की सराहना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने पैक्स, दुग्ध, मत्स्य, बुनकर एवं अन्य नई सहकारी समितियों के गठन को प्रोत्साहित करने तथा सहकारिता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

ध्रुव ने जताया आभार

कार्यक्रम के अंत में बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कुंवर सिंह ध्रुव ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सहकारी सप्ताह के दौरान निर्धारित सभी गतिविधियों का सफल संचालन बैंक से संबद्ध पैक्स एवं लैम्प्स समितियों के माध्यम से व्यापक स्तर पर किया जाएगा, ताकि सहकारिता के सिद्धांत एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके।

इनकी रही विशेष मौजूदगी: कार्यक्रम में श्री रंजीत पाण्डेय (प्रदेश सह-संयोजक, सहकारिता प्रकोष्ठ), श्री खेम सिंह देवांगन (सभापति, नगर पालिक निगम), श्री योगेन्द्र पाण्डेय (सभापति, पुनर्वास एवं नियोजन विभाग, नगर पालिक निगम, जगदलपुर), श्री मनोहर दत्त तिवारी (जिला संयोजक, सहकारिता प्रकोष्ठ), श्री प्रेम यादव, श्री संतोष नाग, श्री चंद्रभान नागवंशी (सदस्य, सहकारिता प्रकोष्ठ, जिला बस्तर), श्री के.एन. पाण्डेय (अध्यक्ष, आदर्श सहकारी मुद्रणालय, जगदलपुर), श्री विवेकानंद झा (प्राचार्य, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ), श्री विवेक पाण्डे (प्रबंधक, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ), श्री के. के. द्विवेदी (प्रबंधक, बस्तर जिला सहकारी संघ) सहित बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सतरंगी ध्वज आरोहण के साथ राजनांदगांव में हुआ 'सहकारी सप्ताह' का शंखनाद

■ वीरेन्द्र को-ऑपरेटिव बैंक से विलय होकर बना जिला सहकारी केंद्रीय बैंक

■ सहकारी सप्ताह के दौरान जिले में होगी विभिन्न गतिविधियां

राजनांदगांव। जिला सहकारी संघ राजनांदगांव सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार 6 जुलाई को सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के 5 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 जून से 6 जुलाई तक की अवधि को देशभर में ÷सहकारी सप्ताह÷ के रूप में मनाने का प्रस्ताव है। ÷सहकारी सप्ताह÷ के दौरान सहकार से समृद्धि दृष्टीकोण की दिशा में सहकारी क्षेत्र की पहलों, उपलब्धियों एवं योगदान को प्रदर्शित करने हेतु विभिन्न आउटरीच, जागरूकता एवं हितधारक सहभागिता गतिविधियों का आयोजन किया जाना है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित राजनांदगांव, जिला सहकारी संघ मर्यादित राजनांदगांव एवं बैंक कार्यक्षेत्र के समस्त प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के प्रांगण में सहकारिता का सतरंगी ध्वजारोहण किया जाकर सहकारी सप्ताह का शुभारंभ किया गया। राजनांदगांव जिला में सहकारी सप्ताह का शुभारंभ श्री सचिन सिंह बघेल जी, अध्यक्ष जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित राजनांदगांव द्वारा बैंक परिसर में सहकारिता ध्वजारोहण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। बैंक सभाकक्ष में आयोजित संगोष्ठी में बैंक अध्यक्ष श्री सिंह ने भारत सरकार द्वारा प्रायोजित सहकार से समृद्धि की कल्पना की सराहना करते हुए समितियों में सहकारिता के मूल उद्देश्य की प्राप्ति, सहकारिता के प्रति जन-जागरण एवं समितियों में गुणात्मंक परिवर्तन होना बताया उदाहरण स्वरुप खैरागढ़ में वर्ष 1962 में गठित वीरेन्द्र को-ऑपरेटिव बैंक से विलय होकर (वर्ष 1973 में राजनांदगांव जिला के गठन के साथ ही) जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित राजनांदगांव का गठन होने की जानकारी दी गई।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर श्री भरत वर्मा जी, उपाध्यक्ष जिला सहकारी बैंक, श्री एन. एल. टंडन जी, उप आयुक्त सहकारिता राजनांदगांव, श्री आलोक सिंह जी प्राधिकृत अधिकारी जिला सहकारी संघ मर्यादित राजनांदगांव, विभिन्न सहकारी समितियों के पदाधिकारीगण, श्री सुधीर सोनी जी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक राजनांदगांव, श्री मनोज नायक जी, जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड राजनांदगांव, श्री आलोक शर्मा जी, मुख्य लेखापाल, श्री एस. के. दिवेदी जी अधीक्षक, श्री प्रकाश अखिलेश जी उप प्रबंधक, श्री एन कुमार साहू प्रभारी प्रबंधक जिला सहकारी संघ राजनांदगांव सहित जिला सहकारी केंद्रीय बैंक राजनांदगांव के अधिकारीगण, कर्मचारीगण, एवं वृहत संख्या में सहकारी समितियों के सदस्यगण उपस्थित थे।

अपेक्स बैंक में केदारनाथ गुप्ता ने किया सहकारी ध्वजारोहण

रायपुर। भारत सरकार, सहकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा ÷सहकारिता मंत्रालय की स्थापना÷ के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 जून से 6 जुलाई के मध्य सहकारिता सप्ताह का आयोजन पूरे देश मे किया जा रहा है। इसी कड़ी में पूरे छत्तीसगढ़ में पैक्स सोसाइटियों में आज सहकारी सप्ताह का शुभारभ किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक, (अपेक्स बैंक) मुख्यालय, नवा रायपुर में अपेक्स बैंक के प्राधिकृत अधिकारी श्री केदारनाथ गुप्ता द्वारा सहकारी ध्वजारोहण कर सहकारी सप्ताह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री के एन कांडे व बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

जिला संघ राजनांदगांव में उप आयुक्त सहकारिता ने किया ध्वजारोहण

राजनांदगांव। जिला सहकारी सहकारी संघ मर्यादित राजनांदगांव प्रांगण में सहकारी सप्ताह का शुभारंभ श्री एन एल टंडन जी, उप आयुक्त सहकारिता राजनांदगांव द्वारा सहकारिता ध्वजारोहण कर किया गया। इस अवसर पर संस्था जिला सहकारी संघ मर्यादित राजनांदगांव के प्राधिकृत अधिकारी श्री आलोक सिंह जी, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सहकारी कार्यकर्ता श्री अमलेंदु हाजरा जी, हथथकरघा विभाग के पूर्व अधिकारी श्री तिवारी जी एवं जिला सहकारी संघ मर्यादित राजनांदगांव के प्रभारी प्रबंधक श्री एन कुमार साहू तथा अशोक सहकारी चावल मिल से श्री हरण साहू जी सहित विभिन्न सहकारी समितियों के सदस्यों की उपस्थिति में संपन हुआ।

नारायणपुर को मिली जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की नई शाखा

- सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने किया नवीन भवन का लोकार्पण
- किसानों, महिलाओं और ग्रामीणों को मिलेंगी बेहतर बैंकिंग सुविधाएं
- किसान क्रेडिट कार्ड एवं बीज वितरण से लाभान्वित हुए कृषक

विकास और वित्तीय समावेशन को मिलेगा बढ़ावा

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की यह नई शाखा ग्रामीण विकास, वित्तीय समावेशन और किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में भी सहायता मिलेगी। इस अवसर पर पूर्व सांसद एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष श्री दिनेश कश्यप, उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ के अध्यक्ष श्री रूपसाय सलाम, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नारायण मरकाम, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्री इंद्र प्रसाद बघेल सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

नारायणपुर। नारायणपुर जिले में बैंकिंग सुविधाओं को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की नवीन शाखा भवन का लोकार्पण सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने किया। लगभग 36 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस आधुनिक भवन से जिले के किसानों, ग्रामीणों, महिला स्व-सहायता समूहों और छोटे व्यापारियों को बेहतर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध होंगी।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि सहकारी बैंक ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं। नई शाखा के शुरू होने से किसानों और आम नागरिकों को बैंकिंग सेवाओं के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में नहीं जाना प?ेगा। इससे समय और संसाधनों की बचत होगी तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

कृषि ऋण और शासकीय योजनाओं का मिलेगा लाभ

मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि, सहकारी बैंक किसानों को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नई शाखा के माध्यम से किसानों को कृषि ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड, पशुपालन ऋण, स्वरोजगार योजनाओं के तहत ऋण तथा महिला स्व-सहायता समूहों को वित्तीय सहायता आसानी से उपलब्ध कराई जा सकेगी। कृषि कार्यों के लिए खाद, बीज और कृषि उपकरणों की खरीद हेतु आवश्यक वित्तीय सहायता भी अब स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होगी।

जनकल्याण और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

मंत्री श्री कश्यप ने बैंक परिसर के नोडल कार्यालय भवन, बैठक हॉल में शेड तथा शौचालय निर्माण की भी घोषणा की। उन्होंने बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों से सेवा भाव एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है नई शाखा : बैंक अधिकारियों ने बताया कि नई शाखा में ग्राहकों की सुविधा के लिए सुव्यवस्थित काउंटर, डिजिटल बैंकिंग सेवाएं तथा पारदर्शी लेन-देन की व्यवस्था की गई है। इससे ग्राहकों को तेज, सुरक्षित और बेहतर बैंकिंग सेवाएं प्राप्त होंगी।

15 किसानों को मिला किसान क्रेडिट कार्ड का लाभ : कार्यक्रम के दौरान 15 किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) वितरित किए गए। साथ ही किसानों को बीज वितरण कर कृषि उत्पादन ब?ाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। स्थानीय नागरिकों और किसानों ने नई शाखा के शुभारंभ का स्वागत करते हुए कहा कि इससे बैंकिंग सेवाएं उनके और अधिक करीब पहुंचेंगी तथा शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करना आसान होगा।

सहकारिता से गांव होगा आत्मनिर्भर, किसान आधुनिक खेती अपनाएं : निरंजन सिन्हा

- जुगदेही में सहकारिता सप्ताह का आयोजन, किसानों को जैविक खेती और ड्रोन तकनीक की दी गई जानकारी

धमतरी। भारत सरकार सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के 5 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति जुगदेही में सहकारिता सप्ताह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, जैविक खेती, आधुनिक कृषि उपकरणों एवं सहकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित रायपुर के अध्यक्ष निरंजन सिन्हा रहे, वहीं अध्यक्षता जनपद पंचायत कुरुद की अध्यक्ष गीतेश्वरी हेमंत साहू ने की।

किसान सहकारिता से जुड़कर आत्मनिर्भर बनें : निरंजन सिन्हा

मुख्य अतिथि निरंजन सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता को नया आयाम मिला है। सहकारिता मंत्रालय के गठन के बाद सहकारिता को गांव-गांव तक पहुंचाने का कार्य तेजी से हुआ है। उन्होंने कहा कि सहकारिता केवल खाद, बीज और धान खरीदी तक सीमित नहीं है, बल्कि पशुपालन, मत्स्य पालन, बकरी पालन सहित विभिन्न क्षेत्रों में किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने का माध्यम है। किसान सहकारी समितियों से जुड़कर शासन की योजनाओं का लाभ लें और गांव को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दें।

प्राकृतिक खेती और आधुनिक तकनीक अपनाने पर जोर

निरंजन सिन्हा ने किसानों से प्राकृतिक एवं जैविक खेती की ओर बढ़ने की अपील करते हुए कहा कि आधुनिक तकनीकों से खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है। ड्रोन स्प्रेयर के प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इससे समय, मजदूरी और दवा की बचत होगी। उन्होंने कहा कि सहकारी बैंक किसानों का अपना बैंक है, जहां ऋण एवं अन्य सुविधाओं के माध्यम से किसानों को आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है।

किसान भारत के भाग्य विधाता : गीतेश्वरी साहू

जनपद पंचायत कुरुद की अध्यक्ष गीतेश्वरी हेमंत साहू ने कहा कि किसान केवल फसल उगाने वाला नहीं, बल्कि भारत के भाग्य विधाता के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने सहकारिता के मूल उद्देश्य को बताते हुए किसानों से समितियों से जुड़कर शासन की योजनाओं का लाभ उठाने, आर्थिक स्थिति मजबूत करने और आय बढ़ाकर सशक्त बनने की अपील की। वहीं प्राधिकृत अधिकारी भोला राम साहू ने जुगदेही सोसायटी अंतर्गत किसानों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी और हरित खाद के उपयोग से जैविक खेती अपनाने पर जोर दिया।

किसानों को मिला ऋण लाभ, ड्रोन तकनीक का हुआ प्रदर्शन

कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को उन्नत खेती के तरीकों, जैविक खाद के उपयोग और मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के संबंध में जानकारी दी। इस दौरान किसानों के समक्ष ड्रोन स्प्रेयर का प्रदर्शन भी किया गया। सहकारी बैंक की ओर से किसानों को विभिन्न योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि निरंजन सिन्हा के करकमलों से 8 किसानों को पशु चारा एवं तार फेसिंग के लिए करीब सवा 9 लाख रुपये के ऋण का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में इनकी रही मौजूदगी

कार्यक्रम में जिला सहकारी बैंक कोर्रा के प्रबंधक महेंद्र सिंह गौर, सह प्रबंधक ललित मानिकपुरी, भाजपा किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष चोवाराम गंजीर, प्राधिकृत अधिकारी भेंडरा सोसायटी नन्दकुमार साहू, प्राधिकृत अधिकारी पचपेड़ी संतोष यादव, प्राधिकृत अधिकारी तरसीवा किशोर राम साहू, प्रगतिशील कृषक फनेन्द्र सिन्हा, लेखराम सिन्हा, यशवंत शुक्ला, चंद्रभान चक्रधारी, रामकृष्ण साहू, समिति प्रबंधक जुगदेही अंकित कश्यप सहित जिला सहकारी बैंक कोर्रा के आश्रित ग्रामों के सरपंचगण, कृषकगण एवं समिति कर्मचारी उपस्थित रहे।

'सहकारी सप्ताह' में होगा विभिन्न सहकारी गतिविधियों का आयोजन

■ बेलचंदन और कश्यप ने प्रेस वार्ता लेकर दी जानकारी

रायपुर। 27 जून को बैंक मुख्यालय सभा भवन में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। जिसमें श्री प्रीतपाल बेलचंदन अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. दुर्ग एवं श्री अभिनेष कश्यप उपाध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. रायपुर द्वारा जानकारी दी गई कि, केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय के गठन के 5 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 जून से 6 जुलाई तक सहकारी सप्ताह के आयोजन बाबत् भारत सरकार के निर्देश के अनुक्रम में प्रदेश में राज्य स्तरीय अनेक सहकारी गतिविधियां तथा सहकारी चिंतन शिविर एवं सहकारी मेला का आयोजन किया जा रहा है।

सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप द्वारा आयोजन की तैयारी के लिए 23 जून को विभागीय अधिकारियों की बैठक ली गई। साथ ही 2058 पैक्स सोसाइटियों के प्राधिकृत अधिकारियों से विडियो कांफ्रेंस के माध्यम से विविध सहकारी आयोजन हेतु दिशा-निर्देश दिये।

3-4 जुलाई को कृषि विश्वविद्यालय में भव्य आयोजन

सहकारी चिंतन शिविर एवं सहकार मेला का आयोजन 3 एवं 4 जुलाई को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर, कृषि मंडपम ऑडिटोरियम, लांभाडी रायपुर में माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मुख्य आतिथ्य एवं सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में आयोजित होगा। कार्यक्रम में पैक्स दुग्ध, मत्स्य, लघु वनोपज, बुनकर एवं अन्य सहकारी समितियां तथा नाबार्ड, एनसीडीसी, एनसीसीएफ, नैफेड, सीएससी, इफको, कृभको, राज्य सहकारी संघ तथा अन्य संगठन भागीदारी करेंगे। भारत सरकार सहकारिता मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 जून से 6 जुलाई तक पूरे देश भर में सहकारी सप्ताह के रूप में मनाया जाएगा।

प्रदर्शित की जाएंगी उपलब्धियां

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या.दुर्ग के अंतर्गत जिला दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा के प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में सहकार से समृद्धि की पहलों, उपलब्धियों एवं योगदान को प्रदर्शित किया जावेगा। बैंक से सम्बद्ध 402 पैक्स समितियों, दुग्ध समितियों, मत्स्य समितियों, बुनकर सहकारी समितियों, द्वारा सहकारी सप्ताह के दौरान सहकारी ध्वाजारोहण, पैक्स समितियों में सदस्यता अभियान, माइको एटीएम केसीसी कार्ड एवं रूपेकेसीसी का वितरण किया जावेगा। साथ ही सहकार दौड का आयोजन, वृक्षरोपण, मृदापरीक्षण, तथा कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया जावेगा। सदस्यों की आय बढ़ाने में एफ़ीओ एवं पैक्स की भूमिका पर परिचर्चा का आयोजन किया जावेगा।

प्रेस वार्ता में ये भी रहे मौजूद

उक्त प्रेस वार्ता में श्री नरेष यदु उपाध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या.दुर्ग, श्री एस.के.वर्मा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, श्री दिलीप साहू जिला महामंत्री भाजपा दुर्ग, श्री अजय साहू जिला भाजपा अध्यक्ष बेमेतरा, श्री शिव चन्द्राकर प्रदेश आर्थिक प्रकोष्ठ संयोजक, श्री रमाकांत द्विवेदी पूर्व संचालक, श्री अजय तिवारी वरिष्ठ भाजपा नेता, श्री लखनलाल गुरुपंच बालोद जिला प्रतिनिधि, श्री श्यामलाल साहू जिला अध्यक्ष सहकारिता प्रकोष्ठ, श्री फत्तेलाल वर्मा किसान प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

मालगांव समिति में सहकारी ऋण नीति पर प्रशिक्षण

बस्तर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ रायपुर के तत्वावधान में आदिवासी सदस्य सहकारी शिक्षा योजना अंतर्गत आदिवासी बहुल बस्तर संभाग के आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मालगांव के किसानों को प्रशिक्षण दिया गया।

सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी विवेकानंद झा द्वारा सहकारिता का अर्थ, महत्व, सिद्धांत, लाभ, सहकारी ऋण नीति के बारे में बताया गया। प्रबंधक श्री गिरीश कुमार ने समिति के उद्देश्य खाद बीज के बारे में जानकारी दी। लेखपाल लोचन जोशी ने संस्था में रखे जाने वाले आवश्यक रिकॉर्ड के बारे में चर्चा की। प्रदीप अधिकारी श्री देवदास कश्यप ने कहा इस प्रकार के प्रशिक्षण से हमारे नेतृत्व का विकास होता है तथा बैठक में सही निर्णय ले पाते हैं। कार्यक्रम का समापन 27 जून को किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सुदन मौर्य का विशेष योगदान रहा।

सहकारिता से समृद्धि पर प्रशिक्षण

बस्तर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर के तत्वावधान में आदिवासी सदस्य सहकारी शिक्षा योजना अंतर्गत आदिवासी बाहुल्य बस्तर संभाग के आंगनबाड़ी केंद्र मालगांव में सहकारिता से समृद्धि पर महिलाओं को सहकारी प्रशिक्षण दिया गया।

सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी विवेकानंद झा ने 23 जून को प्रशिक्षण का आयोजन किया। इस दौरान महिलाओं को सहकारिता का सिद्धांत, अर्थ, महत्व, लाभ, सहकारिता के माध्यम से छोटे एवं लघु उद्योग की स्थापना कर आय का स्रोत बढ़ने पर सहकारी प्रशिक्षण दिया गया। नए सहकारी समिति के पंजीयन की विधि के बारे में भी बताया गया। महिला बाल विकास के कर्मचारी मनीषा सेठिया के द्वारा महिलाओं को पूरक पोषण, आहार स्वास्थ्य, जांच, टीकाकरण, अनौपचारिक, शिक्षा पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संपर्क साधक सुदन राम मौर्य का विशेष योगदान रहा।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दुर्ग में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

दुर्ग। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, दुर्ग के प्रधान कार्यालय परिसर में प्रातः 7:00 बजे योगाभ्यास एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बैंक के अध्यक्ष श्री प्रीतपाल बेलचंदन थे। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री एस. के. वर्मा, वर्ग-1 अधिकारी श्री हृदेश शर्मा एवं श्री एस. के. निवसरकर, अधीक्षक श्री के. के. नायक, अधिकारीगण श्री एस. पी. वाहने एवं श्री धीरेंद्र देवांगन तथा बैंक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्री रोहित वर्मा सहित बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षक ने बताए योग के फायदे

योग प्रशिक्षण का संचालन आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षक श्री अमन बेलचंदन द्वारा किया गया। उन्होंने उपस्थितजनों को योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया तथा नियमित योग के लाभों के संबंध में जानकारी दी। मुख्य अतिथि श्री प्रीतपाल बेलचंदन ने अपने उद्बोधन में कहा कि योग स्वास्थ्य, संतुलित एवं तनावमुक्त जीवन का आधार है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नियमित योग अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक योगाभ्यास किया तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

सदस्यों की आय वृद्धि में मत्स्य सहकारी समितियों की भूमिका पर परिचर्चा

रायपुर। सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के 5 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 जून से 6 जुलाई तक आयोजित 'सहकारिता सप्ताह-2026' के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ द्वारा 'मत्स्य सहकारी समितियों के सदस्यों की आय वृद्धि में मत्स्य सहकारी समितियों की भूमिका' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न मत्स्य सहकारी समितियों के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मत्स्य पालन आय वृद्धि का सशक्त माध्यम

परिचर्चा में वक्ताओं ने कहा कि मत्स्य पालन ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार एवं आय बढ़ाने का एक प्रभावी माध्यम है। सहकारी समितियों के माध्यम से मत्स्य पालकों को संगठित कर आधुनिक तकनीकों, गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज, संतुलित आहार, तालाब प्रबंधन, प्रसंस्करण एवं विपणन संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। इससे उत्पादन बढने के साथ-साथ सदस्यों की आय में भी निरंतर वृद्धि संभव है।

समितियां आर्थिक उन्नति की मजबूत कड़ी : सौरभ शर्मा

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के अध्यक्ष श्री सौरभ शर्मा ने कहा कि मत्स्य सहकारी समितियां सदस्यों की आर्थिक उन्नति, रोजगार सृजन एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से छोटे एवं सीमांत मत्स्य पालकों को सामूहिक रूप से कार्य करने का अवसर मिलता है, जिससे उन्हें उत्पादन लागत कम करने, बेहतर बाजार उपलब्ध कराने तथा शासन की विभिन्न योजनाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त करने में सहायता मिलती है। उन्होंने कहा कि समितियों को केवल मत्स्य उत्पादन तक सीमित न रहकर मूल्य संवर्धन, कोल्ड चेन, प्रसंस्करण एवं विपणन जैसे क्षेत्रों में भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। इससे मत्स्य व्यवसाय अधिक लाभकारी बनेगा तथा सदस्यों की आय में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित होगी।

सहकारिता से आत्मनिर्भर बनेंगे मत्स्य पालक

परिचर्चा में इस बात पर भी जोर दिया गया कि, सहकारिता के माध्यम से प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन, वित्तीय संसाधनों तक पहुंच तथा सामूहिक विपणन व्यवस्था को मजबूत कर मत्स्य पालकों को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। वक्ताओं ने सदस्यों से नई तकनीकों को अपनाने, शासन की योजनाओं का लाभ लेने तथा समितियों को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के अध्यक्ष श्री सौरभ शर्मा, मत्स्य सहकारी समितियों के प्रतिनिधि रूपचंद धीवर, शंकर धीवर, नरेश मल्लाह, शेख अब्राहिमए, बिसेसर बाघमार, भुनेश्वरी बंजारी, अंजु मटियारा, शीतल मटियारा, उषा बाघमार संघ के व्याख्याता राजेश साहू, किरण कुमार ध्रुव, सुरेश पटेल, आराधना वर्मा, पुरूषोत्तम सोनी, भागबली साहू एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

विकसित भारत की यात्रा में गांव, गरीब और किसानों की भूमिका महत्वपूर्ण

भड़ीसगांव। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर द्वारा आदिवासी सदस्य सहकारी शिक्षा योजना अंतर्गत संभागीय कार्यालय जगदलपुर में कार्यरत प्रशिक्षण इकाई के माध्यम से बस्तर जिले के तोकापाल विकासखंड अंतर्गत भड़ीसगांव ग्राम पंचायत भवन में सहकारी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। संघ के वरिष्ठ प्रशिक्षक श्री विवेक पांडे ने यहां प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित ग्रामीण कृषक सहकारी बधुओं का सहकारिता के अर्थ, महत्व, सिद्धांत के साथ-साथ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने की परिकल्पना के बारे में बताया गया। इसके अनुरूप स्वस्थ मृदा-स्वस्थ मानव की परिकल्पना को समझाया गया। किसानों से जैविक खेती अपनाने का आवाहन करते हुए रासायनिक खाद को धीरे-धीरे कमी लाकर खेती को उपजाऊ बनाए रखने के लिए विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया।

ऋण के बारे में दी गई जानकारी: लेंपस संस्था द्वारा प्रदत किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से खेती किसानी हेतु आवश्यक ऋण प्रदाय करने एवं गोपालन बकरी पालन को भी बढ़ाने हेतु विस्तार से ज्ञान करवाया जाकर लेंपस द्वारा प्रदत्त सेवाओं की भी जानकारी दी गई प्रशिक्षण वर्ग को ग्राम पंचायत भड़ीसगांव के सरपंच श्रीमती सामो बघेल एवं उपसरपंच घिनू कश्यप व सचिव ईश्वर बघेल एवं रोजगार सहायक के साथ-साथ संघ के रोमांचल पाणिग्राही का भी सहयोग रहा।

सोनपुर लैंपस में दिया गया सहकारी प्रशिक्षण

बस्तर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ संभागीय कार्यालय जगदलपुर के तत्वावधान में बस्तर जिला के बकावंड ब्लॉक के ग्राम सोनपुर लैंपस भवन में प्रबंधकारिणी वर्ग का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षक मितेश पानीग्राही द्वार लैंप्स भवन में उपस्थित कृषक भाइयों व सदस्य भाइयों का सहकारी प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें सहकारिता का अर्थ, महत्व, सिद्धांत, उद्देश्य, उद्भव और विकास, सदस्यता, सदस्य के अधिकार, कर्तव्य, अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के कार्य, कर्तव्य, बैठकें, पंजीयन, आमसभा, ऋणनीति, सहकार से समृद्धि, बकरी पालन, मछली पालन, गोपालन, मुर्गी पालन, व्यवसाय विकास आदि पर विस्तार से चर्चा की गई। जिसे सफल बनाने में संघ के संपर्क साधक श्री करुणाकर मंडन का सहयोग रहा।

तोकापाल लेंपस के किसानों को मिला सहकारी प्रशिक्षण

तोकापाल। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित तोकापाल लेंपस में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर के तत्वावधान में सहकारी प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के प्रशिक्षक श्री विवेक पांडे के द्वारा किसानों को सहकारिता के अर्थ महत्व सिद्धांत आदि विषय पर जानकारी दी गई, साथ ही लेंपस द्वारा प्रदत सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। किसानों को लेंपस में सदस्य बनने के लिए विशेष आग्रह किया गया और बिना ब्याज के ऋण के बारे में किसानों से चर्चा करते हुए लेंपस द्वारा गोपालन योजना के लिए बिना बिना ब्याज के ऋण आदि विषय के बारे में जानकारी दी गई। रासायनिक खाद का उपयोग कम करने एवं जैविक खेती को अधिक से अधिक बढ़ावा देने के लिए विशेष जोर दिया गया। वही लेंपस के प्रबंधक श्री दयालिक रात्रे द्वारा भी जैविक खेती से उन्नत कृषि करने के लिए विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण को सफल बनाने में संघ के रोमांचल पाणिग्रही व लेंपस कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

संभागीय कार्यालय जगदलपुर में सहकारी सप्ताह का शुभारंभ

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ संभागीय कार्यालय जगदलपुर के प्रांगण में जिला संयोजक सहकारिता प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री मनोहरदत्त तिवारी द्वारा सहकारी सप्ताह के अवसर पर ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री विवेकानंद झा प्रशिक्षक श्री विवेक पांडे व समस्त कर्मचारियों द्वारा सहकारी गीत का गायन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री तिवारी द्वारा भारत सरकार सहकारिता मंत्रालय के सफल एवं गौरवपूर्ण 5 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 29 जून से 6 जुलाई 2026 तक बस्तर में भी सहकारिता जागरूकता एवं जन भागीदारी को बढ़ावा देने विविध कार्यक्रमों का आयोजन हेतु आह्वान किया गया । सहकार से समृद्धि के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने हेतु किसानों, महिलाओं एवं ग्रामीण समुदाय को सहकारिता से जोडने तथा सहकारी संस्थाओं की भूमिकाओं को सशक्त बनाने हेतु जोर दिया गया।

इनकी रही उपस्थिति : कार्यक्रम में सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री विवेकानंद झा, प्रशिक्षक श्री विवेक पांडे द्वारा सदस्यों की आय वृद्धि में दुग्ध एवं मत्स्य समितियां की भूमिका विषय पर परिचर्चा किया गया। श्री मितेश पाणिग्रही प्रशिक्षक द्वारा बहुउद्देशीय उपनियम का वाचन किया गया। कार्यक्रम में श्री प्रेम कुमार यादव सहकारिता प्रकोष्ठ सदस्य, श्री चंद्रभान नागवंशी जी सदस्य, श्री संतोष नाग सह संयोजक, श्री तुलसी देवांगन सह संयोजक, श्री धनुर्जय कश्यप, श्री उमेश गुप्ता जी, श्री उदय दुबे एवं राज्य सहकारी संघ के समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

सहकारी सप्ताह के शुभारंभ पर हुआ प्रदेश के विभिन्न समितियों में सहकारी ध्वजारोहण

छतीसगढ़ में भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के 5 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 जून से 6 जुलाई तक सहकारी सप्ताह मनाया जा रहा है। इस अवसर पर जिला सहकारी संघ महासमुन्द में सहकारी ध्वजारोहण किया गया।

सेवा सहकारी समिति मर्यादित, रौंदा, जिला दुर्ग

सहकारिता मंत्रालय के 5 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 जून से 6 जुलाई 2026 तक सहकारी सप्ताह मनाया जा रहा है। इस अवसर पर जिला सहकारी संघ दुर्ग में सहकारी ध्वजारोहण किया गया।

सेवा सहकारी समिति मर्यादित, राजपुर, जिला दुर्ग

सेवा सहकारी समिति मर्यादित, पेण्ड्रावन

सेवा सहकारी समिति मर्यादित, हिरेतरा

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति जगदलपुर के प्रांगण में सहकारी सप्ताह के अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम किया गया जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के अधिकारी श्री विवेक पांडे व मितेश पानीग्राही उपस्थित रहे।

सहकारिता सप्ताह : सोसायटियों में ध्वजारोहण, उप-नियमों की जानकारी पाकर जागरूक हुए किसान

■ **ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है सहकारिता, किसानों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करना शासन की प्राथमिकता**

रायपुर। छत्तीसगढ में 29 जून से 6 जुलाई तक 'सहकारिता सप्ताह' का आयोजन किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य किसानों, महिलाओं और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह के अवसर पर सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिले की विभिन्न प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में सहकारिता ध्वजारोहण कार्यक्रम अत्यंत हर्षोल्लास और गरिमापूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। मलदा समिति में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में अंचल के अनेक जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

सहकारिता ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़

समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों और वक्ताओं ने सहकारिता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि, सहकारिता आंदोलन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की असली रीढ़ है। वक्ताओं ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि सोसायटियों के माध्यम से किसानों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ और सशक्त बनाना ही शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पारदर्शिता के लिए किया गया उप-नियमों का वाचन

ध्वजारोहण कार्यक्रम के पश्चात सभी समितियों में विशेष सभाओं का आयोजन किया गया। इन सभाओं में उपस्थित किसानों और समिति के सदस्यों के समक्ष संस्था के उप-नियमों का विस्तार से वाचन कर उन्हें महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। इस अनूठी पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों को समिति के नियमों, उनके अधिकारों और सहकारी प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक करना था, ताकि पूरी पारदर्शिता के साथ सहकारिता के उद्देश्यों को जमीनी स्तर पर अमलीजामा पहनाया जा सके। इस गरिमापूर्ण अवसर पर सहकारी समितियों के प्रबंधक, संचालक मंडल के सदस्य, स्थानीय ग्रामीण जनप्रतिनिधि और क्षेत्र के प्रगतिशील किसान बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

जिला सहकारी बैंक में 'सहकारिता सप्ताह' की शुरुआत, अध्यक्ष बेलचंदन ने किया ध्वजारोहण

दुर्ग। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या.दुर्ग के प्रधान कार्यालय दुर्ग में सहकारी सप्ताह आयोजन के प्रथम दिवस पर मुख्यालय में सहकारिता का ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण बैंक के अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन द्वारा किया गया। ध्वजारोहण के समय एस.के.वर्मा मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं बैंक के समस्त अधिकारी, कर्मचारी गण उपस्थित थे। अध्यक्ष श्री बेलचंदन ने कहा कि, सहकारिता के 7 ध्वज (सहकारी ध्वज) में इंद्रधनुष के 7 रंग होते हैं, जो विविधता, एकता, प्रकाश और प्रगति का प्रतीक हैं। भारत सरकार, सहकारिता मंत्रालय के गठन के 05 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 जून 2026 से 06 जुलाई 2026 तक सहकारी सप्ताह के आयोजन बाबत् भारत सरकार के निर्देश के अनुक्रम में आज ध्वजारोहण किया गया है एवं सहकारिता से संबंधित उपलब्धियों का वर्णन किया गया। ध्वजारोहण में बैंक

बालोद जिला सहकारी संघ मर्यादित में फहराया सतरंगी सहकारी ध्वज

बालोद। भारत सरकार सहकारिता मंत्रालय के 5 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 जून से 6 तक सहकारी सप्ताह का आयोजन देश भर में किया जा रहा है। इस अवसर पर बालोद जिला सहकारी संघ मर्यादित बालोद द्वारा संघ कार्यालय में ध्वजारोहण किया गया।

इस दौरान सहकारिता जागरुकता एवं जनभागीदारी को बढावा देने विविध कार्यक्रमों के आयोजन का आह्वान किया गया। सहकार से समृध्दि के संकल्प को जन जन तक पहुंचाने हेतु कृषकों, महिलाओं एवं ग्रामीण जनो को सहकारिता से जोड़ने व सहकारी संस्थाओ की भूमिकाओं को सशक्त बनाने हेतु जोर दिया गया। कार्यक्रम में मंगला साहू, सुमन चंद्राकर दीपक साहू, शीला नेताम, लिखेद्र साहू ,जिला सहकारी संघ की प्रबंधक श्रीमती स्नेहलता साव, लेखापाल वेदप्रकाश साहू, परमेश्वरी साहू व अन्य गणमान्य नागरिक शामिल हुए। भारत माता के तैलचित्र पर माल्यार्पण करने के पश्चात ध्वजारोहण कर सहकारी गीत गाकर उपस्थित अतिथियों ने सहकारी सप्ताह का शुंभारंभ किया।

जिला सहकारी संघ धमतरी में ध्वजारोहण के साथ सहकारी सप्ताह का शुभारंभ

धमतरी। जिला सहकारी संघ धमतरी में भारत सरकार-सहकारिता मंत्रालय के गठन के पांच वर्ष पूर्ण होने पर 29 जून को राष्ट्रीय सहकारी सप्ताह के अंतर्गत प्रथम दिवस सहकारी ध्वज का ध्वजारोहण संघ के प्राधिकृत अधिकारी सीपी साहू के कर कमलो द्वारा गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राधिकृत अधिकारी साहू ने कहा कि, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सहकार से समृद्धि की परिकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से 6 जुलाई 2021 को पृथक से सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की। नवगठित मंत्रालय के प्रथम सहकारिता मंत्री माननीय श्री अमित शाह जी के कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन में सहकारिता मंत्रालय ने अल्पकालिक समय में सहकारिता क्षेत्र को जीवंत एवं सशक्त बनाने हेतु अनेक पहलें एवं ऐतिहासिक योजनाओं की शुरुआत की।

दीं शुभकामनाएं

सहकारिता मंत्रालय के 6 जुलाई 2026 को 5 वर्ष पूर्ण होने पर पूरे भारतवर्ष में 29 जून से 6 जुलाई 2026 तक विभिन्न सहकारी संस्थाओं में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, उन्होंने सहकारिता मंत्रालय के सफलतापूर्वक 5 वर्ष पूर्ण होने पर अपनी शुभकामनाएं व बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन संघ प्रबंधक ए पी गुप्ता ने किया।

धमतरी बनेगा छत्तीसगढ़ का पहला मॉडल कार्बन कृषि जिला

■ जलवायु–अनुकूल खेती, मृदा स्वास्थ्य संवर्धन और कार्बन क्रेडिट से किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

धमतरी। कृषि को अधिक टिकाऊ, लाभकारी एवं जलवायु-अनुकूल बनाने की दिशा में धमतरी जिले ने एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। जिला प्रशासन धमतरी एवं जलवायु प्रौद्योगिकी आधारित संस्था प्रिथु (क्क्रद्धह्लज्ञ॥) के मध्य आज एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी के माध्यम से धमतरी को छत्तीसगढ़ के प्रथम मॉडल कार्बन कृषि जिला के रूप में विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इस पहल के तहत जिले में दो चरणों में लगभग 80 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में मृदा कार्बन संवर्धन (स्थ्द्बद्य ह्लद्दड्डठ्ठद्ब ष्टड्डह्लड्ढश्ठ्ठ-स्ह्लष्ट) परियोजना तथा 30 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में ऑल्टरनेट वेटिंग एंड ड्राइंग (ड्ढङ्खष्ठ) आधारित धान उत्पादन परियोजना संचालित की जाएगी। इन परियोजनाओं का उद्देश्य कृषि भूमि की उत्पादकता बढ़ाना, मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार करना, जल संरक्षण को प्रोत्साहित करना तथा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी लाना है।

प्रिथु के सह-संस्थापक श्री प्रबल तोमर ने बताया कि संस्था आगामी तीन वर्षों में लगभग 5 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इस निवेश का उपयोग किसानों के क्षमता विकास, ग्रामीण युवाओं के कौशल उन्नयन, रोजगार सृजन, किसान आदान-प्रदान कार्यक्रमों तथा आधुनिक कृषि एवं जलवायु तकनीकों के प्रसार में किया जाएगा।

उन्होंने जानकारी दी कि परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन के पश्चात उनके संपूर्ण जीवनचक्र में कार्बन क्रेडिट के माध्यम से किसानों को लगभग 250 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय प्राप्त होने की संभावना है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होने के साथ-साथ टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा मिलेगा और कृषि क्षेत्र को जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के प्रति अधिक सक्षम बनाया जा सकेगा।

जिला कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री अबिनाश मिश्रा ने इस पहल को जिले के कृषि विकास के लिए दूरगामी महत्व का बताते हुए कहा कि धमतरी सदैव नवाचार आधारित विकास की दिशा में अग्रणी रहा है। कार्बन कृषि एवं जलवायु-अनुकूल खेती की यह पहल किसानों को नई संभावनाओं से जोड़ने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी।

उप संचालक कृषि श्री मोनेश साहू ने बताया कि परियोजना के माध्यम से किसानों को वैज्ञानिक खेती, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, जल दक्षता तथा कार्बन वित्त जैसे उभरते क्षेत्रों की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे कृषि उत्पादन प्रणाली अधिक टिकाऊ एवं लाभकारी बन सकेगी।

विशेषज्ञों के अनुसार मृदा में कार्बन की मात्रा बढ़ने से मिट्टी की उर्वरता, जल धारण क्षमता और फसल उत्पादकता में सुधार होता है। वहीं ड्ढङ्खष्ठ तकनीक धान की खेती में जल उपयोग को कम करते हुए उत्पादन बनाए रखने में सहायक है। इससे किसानों की लागत में कमी आने के साथ पर्यावरणीय लाभ भी प्राप्त होते हैं।

इस साझेदारी के माध्यम से धमतरी जिले को जलवायु-अनुकूल कृषि, कार्बन वित्त, प्राकृतिक संसाधन संरक्षण तथा किसान समृद्धि के क्षेत्र में एक आदर्श मॉडल के रूप में विकसित करने की दिशा में नई गति मिलेगी। जिला प्रशासन को विश्वास है कि यह पहल भविष्य में प्रदेश एवं देश के अन्य जिलों के लिए भी अनुकरणीय उदाहरण सिद्ध होगी।

प्रबल तोमर, सह-संस्थापक, प्रिथु (क्क्रद्धह्लज्ञ॥)ने कहा कि ÷हमारा उद्देश्य केवल कार्बन क्रेडिट का सृजन करना नहीं, बल्कि किसानों को बेहतर मिट्टी स्वास्थ्य, जल संरक्षण, टिकाऊ खेती और अतिरिक्त आय के स्थायी अवसर उपलब्ध कराना है। हमें विश्वास है कि धमतरी आने वाले वर्षों में जलवायु-अनुकूल कृषि और कार्बन वित्त के क्षेत्र में देश के अग्रणी मॉडल जिलों में शामिल होगा।÷ इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी ज़िला पंचायत श्री गजेन्द्र ठाकुर,अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा देवहारी, सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उस्थित थे ।

जेल में मिला कौशल, रिहाई के बाद मिलेगा रोजगार का संबल

रायपुर। जिला प्रशासन सुकमा और ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) के संयुक्त प्रयासों से जिला जेल सुकमा में बंदियों के कौशल विकास एवं पुनर्वास के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से संचालित फास्ट फूड मेकिंग और मुर्गीपालन प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले बंदियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

कौशल विकास से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे बंदी: प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य बंदियों को व्यावहारिक कौशल प्रदान कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना तथा रिहाई के बाद सम्मानजनक आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है। प्रशिक्षण के माध्यम से बंदियों को स्वरोजगार के विभिन्न विकल्पों की जानकारी दी गई, जिससे वे भविष्य में अपना व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भर बन सकें।

विशेषज्ञों ने बताए स्वरोजगार के अवसर: कार्यक्रम में सहायक निदेशक (पशु चिकित्सा सेवाएं) श्री संदीप इंदुपकर, कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख श्री हनुमंत तोमर, अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री मनीष कुमार खुसरो, पूर्व बैंक प्रबंधक श्री विकास कुमार तथा सहायक जेल अधीक्षक श्री राजेश कुमार बिसेन उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने प्रशिक्षणार्थियों को मुर्गीपालन, पशुपालन एवं अन्य स्वरोजगार गतिविधियों की संभावनाओं से अवगत कराया। साथ ही उन्हें सकारात्मक सोच के साथ नया जीवन शुरू करने और सफल उद्यमी बनने के लिए प्रेरित किया।

प्रशिक्षण से बढ़ा बंदियों का आत्मविश्वास : प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले बंदी दीपक कुमार राणा ने बताया कि जेल से रिहा होने के बाद वे मुर्गीपालन का व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण से उन्हें नई दिशा और आत्मविश्वास मिला है।

भविष्य में भी जारी रहेंगे कौशल विकास कार्यक्रम: सहायक जेल अधीक्षक श्री राजेश कुमार बिसेन ने आरसेटी द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य में भी जेल के भीतर ऐसे व्यावहारिक और रोजगारपरक प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। इससे अधिक से अधिक बंदियों का कौशल विकास होगा और वे समाज में जिम्मेदार एवं स्वावलंबी नागरिक के रूप में अपनी नई पहचान बना सकेंगे।

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित बारदेवरी में फहराया सहकारी ध्वज

कांकेर। 29 जून को आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित बारदेवरी जिला कांकेर छत्तीसगढ़ में भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के 5 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 जून से 6 जुलाई 2026 तक सहकारी सप्ताह मनाया जा रहा है।

इस सहकारी सप्ताह के प्रथम दिन 29 जून 2026 को आदिम जाति सहकारी समिति मर्यादित बारदेवरी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर सहकारी समिति के प्रबंधक श्री तीजलाल तेता जी के द्वारा सहकारी समिति में आने वाली समस्याओं और बाधाओ के विषय में जानकारी दिया गया। सहकार भारती स्वयं सेविका के द्वारा प्रबंधक महोदय को उनकी समस्याओं के निदान हेतु आश्वासन दिया गया।

सरकार बनी किसानों की ताकत- जशपुर में रियायती दरों पर मिल रहे खाद-बीज

■ सरकार बनी किसानों की ताकत– जशपुर में रियायती दरों पर मिल रहे खाद–बीज, खेती हुई आसान

■ खाद, बीज और कृषि ऋण की बेहतर व्यवस्था से किसानों को मिल रहा आर्थिक संबल

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किसानों को खेती-किसानी के लिए आवश्यक संसाधन समय पर उपलब्ध कराने की दिशा में जशपुर जिले में प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। जिले में खाद एवं बीज वितरण का कार्य सुचारू रूप से जारी है, जिससे किसानों को कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध हो रहे हैं। इसका सीधा लाभ किसानों को मिल रहा है और उनकी खेती की लागत में कमी आने के साथ आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो रही है। जिले की सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को शासन द्वारा निर्धारित रियायती दरों पर खाद उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्तमान में प्रति बोरी यूरिया 266.50 रुपये, डीएपी 1350 रुपये, सुपर फॉस्फेट पाउडर 551 रुपये, सुपर फास्फेट दानेदार 591 रुपये, जिंकेटेड सुपर फॉस्फेट 576 रुपये, टीएसपी 1300 रुपये, एनपीके 1850 से 1990 रुपये, पोटाश 1975 रुपये, नैनो यूरिया 500 एमएल प्रति बोतल 225 रुपए तथा नैनो डीएपी 600 रुपए की निर्धारित दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। जशपुर के महाराजा चौक स्थित सहकारी समिति सहित जिले की विभिन्न समितियों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में किसान खाद एवं बीज लेने पहुंच रहे हैं। किसानों का कहना है कि शासन की इस व्यवस्था से उन्हें खेती के लिए आवश्यक सामग्री आसानी से उपलब्ध हो रही है और बाजार पर निर्भरता भी कम हुई है।

किसानों ने जताया संतोष

खाद लेने पहुंचे किसान रहमान साह ने बताया कि शासन की इस व्यवस्था से उन्हें खेती में काफी सुविधा मिल रही है। पहले कृषि कार्यों के लिए अतिरिक्त खर्च करना पड़ता था, लेकिन अब उचित दर पर खाद मिलने से आर्थिक बोझ कम हुआ है। उन्होंने कहा कि खेती के लिए अब उन्हें ऋण या ब्याज पर पैसे लेने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। इसी प्रकार सारूडीह के किसान गिरधारी यादव ने बताया कि पहले खाद, बीज और अन्य कृषि सामग्री के लिए विभिन्न दुकानों के चक्कर लगाने पड़ते थे तथा अधिक कीमत चुकानी पड़ती थी। अब सहकारी समितियों के माध्यम से आवश्यक सामग्री आसानी से और उचित मूल्य पर उपलब्ध हो रही है। इससे खेती की लागत कम हुई है और किसानों को आर्थिक राहत मिली है।

किसानों की सुविधा शासन की प्राथमिकता

जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा किसानों को समय पर खाद-बीज उपलब्ध कराने के साथ-साथ कृषि ऋण, तकनीकी मार्गदर्शन एवं अन्य योजनाओं का लाभ भी दिलाया जा रहा है। शासन की इस पहल से किसानों को खेती के लिए आवश्यक संसाधन समय पर मिल रहे हैं, जिससे खरीफ सीजन की तैयारियां सुचारू रूप से आगे बढ़ रही हैं। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे खाद एवं बीज केवल अधिकृत सहकारी समितियों एवं पंजीकृत विक्रेताओं से ही क्रय करें तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित अधिकारियों से संपर्क करें।

मार्कफेड मुख्यालय में सहकारी संगोष्ठी का भव्य आयोजन: सहकारिता से ही आएगी किसानों के जीवन में समृद्धि

रायपुर। राज्य में मनाए जा रहे सहकारिता सप्ताह (29 जून से 06 जुलाई 2026) के गरिमामयी अनुक्रम में आज छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित (मार्कफेड) के नवा रायपुर स्थित मुख्य कार्यालय में एक दिवसीय सहकारी संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। इस उच्च स्तरीय संगोष्ठी में राज्य के कृषि, खाद्य और सहकारिता क्षेत्र के दिग्गज नेतृत्व और तकनीकी विशेषज्ञों ने शिरकत की।

गरिमामयी शुरुआत और अतिथियों का स्वागत

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा सहकारिता ध्वजारोहण, दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण और छत्तीसगढ़ के गौरव राज्य गीत एवं सहकार गीत की सुमधुर प्रस्तुति के साथ हुआ। मार्कफेड के प्रबंध संचालक ने अपने स्वागत उद्बोधन में सभी माननीय मंत्रियों, विशिष्ट अतिथियों और सहकारी संघ के प्रतिनिधियों का पारंपरिक छत्तीसगढ़ी गमछा पहनाकर और पुष्प गुच्छ से आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने राज्य के किसानों की सेवा में मार्कफेड की निरंतर प्रतिबद्धता को दोहराया।

प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण और सहकारिता का मूल मंत्र

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मार्कफेड के प्राधिकृत अधिकारी श्री शशिकांत द्विवेदी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सहकारिता के मूल सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। श्री द्विवेदी ने कहा कि सहकार से समृद्धि भारत सरकार का प्रमुख दृष्टिकोण और अभियान है जिसका उद्देश्य सहकारी समितियों को मजबूत करके ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों को सशक्त बनाना है। श्रीदेवी ने कहा कि आज के समय में सहकारिता केवल एक नारा नहीं है रह गया है बल्कि यह ग्रामीण भारत में रोजगार के नए अवसर पैदा करने और आजीविका को बेहतर बनाने का एक माध्यम बन गई है। चाहे डेयरी हो, मत्स्य पालन हो या कृषि उत्पादों का विपणन, सहकारिता इन सभी क्षेत्रों में पारदर्शिता और आधुनिकीकरण ला रही है। श्री द्विवेदी ने कहा कि आज रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोग से जल, वायु, मिट्टी का प्रदूषण बढ़ रहा है। अतः इफको द्वारा लांच किए गए नैनो उर्वरक का ज्यादा ज्यादा किसानों को उपयोग करना चाहिए वरना आज स्वच्छ पीने के पानी के लिए जिस तरह से बिसलेरी की बोतल लेकर घूमना पड़ता है भविष्य में प्रदूषण इतना बढ़ जाएगा कि सांस लेने के लिए ऑक्सीजन का सिलेंडर लेकर घूमना पड़ेगा।उ न्होंने विपणन संघ के प्रशासनिक और वित्तीय ढांचे को और अधिक पारदर्शी व मजबूत बनाने की दिशा में चल रहे प्रयासों को साझा किया और विभागीय अधिकारियों को पूरी निष्ठा से काम करने के लिए प्रेरित किया।

संगोष्ठी के मुख्य विषय सहकार से समृद्धि पर विचार रखते हुए अपेक्स बैंक के प्राधिकृत अधिकारी केदारनाथ गुप्ता प्राथमिक सरकारी समिति ने प्राथमिक सहकारी समितियों (PACS) के सुदृढ़ीकरण और ग्रामीण क्षेत्रों में बिना ब्याज या रियायती दरों पर ऋण वितरण की महत्ता को रेखांकित किया।

सहकार भारती के प्रदेश महामंत्री श्री कनीराम जी ने सहकारिता मंत्रालय के 5 वर्ष पूर्ण होने पर मनाये जा रहे सहकारी सप्ताह में अपना व्याख्यान देते हुए कहा कि सहकारिता ही आमजन के मूल में है। सहकारिता से युवाओं ,बेरोजगारों, महिलाओं को रोजगार सृजित होंगे। बिन सहकार, नहीं उद्धार के मूल मंत्र को स्वीकार करते हुए निश्चित रूप से सबको साथ लेकर सही दिशा में काम करने की जरूरत है।

राज्य सहकारी संघ के प्राधिकृत अधिकारी श्री सौरभ शर्मा जी एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दुर्ग के अध्यक्ष प्रीतपाल बेललचंदने भी सहकारिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज सहकारिता से ही विकसित भारत की संकल्पना साकार होगी। संगोष्ठी में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रायपुर के अध्यक्ष निरंजन सिन्हा ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

तकनीकी सत्र में नाबार्ड और एन.सी.डी.सी. के राज्य प्रतिनिधियों ने FPO (कृषक उत्पादक संगठन) के गठन, उनके वित्तीय लाभों और भारत सरकार द्वारा दी जाने वाली विभिन्न सब्सिडी योजनाओं पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे छोटे और सीमांत किसान सामूहिक खेती के जरिए सीधे बड़े बाजारों से जुड़कर अपनी आय को दोगुना कर सकते हैं।

नैनो यूरिया का उपयोग और मार्कफेड की उपलब्धियां

कृषि को आधुनिक बनाने के क्रम में इफको और कृभको के राज्य प्रतिनिधियों ने रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर बल दिया। विशेषज्ञों ने खेतों की सेहत सुधारने के लिए क्रांतिकारी नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के उपयोग, उसके छिड़काव की सही विधि और लागत कम करने के उपायों पर प्रकाश डाला।

सत्र के अंतिम चरण में मार्कफेड के शीर्ष प्रबंधन (प्रबंध संचालक/अपर प्रबंध संचालक/सचिव/महाप्रबंधक/वित्तीय नियंत्रक/मुख्य लेखा अधिकारी) द्वारा सहकारिता के विकास में विपणन संघ की ऐतिहासिक उपलब्धियों और राज्य की आर्थिक उन्नति व धान उपार्जन में मार्कफेड के अद्वितीय योगदान का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया गया।

इनकी रही मौजूदगी

उक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रदेश संयोजक प्रवीण दुबे, सह संयोजक मुरलीधर सिंहा, संजीव तिवारी,मोनिका साहू बस्तर संभाग प्रभारी शिरीष तिवारी, नेतराम निषाद, आलोक मिश्रा ,हीरेंद्र साहू ,जितेंद्र धुरंधर , जयनारायण सिंह, विक्रम ठाकुर, धीरज तिवारी,गीता ठाकुर, नीलम सिंह,अनामिक शर्मा, रमेश शर्मा, श्रीमती निवेदिता मिश्रा, राजेंद्र टोडर, कैलाश आदिल, सुनील टोपे, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

आभार और समापन

कार्यक्रम के अंत में माननीय प्राधिकृत अधिकारी महोदय द्वारा संगोष्ठी को सफल बनाने के लिए सभी मुख्य अतिथियों, विभागीय अधिकारियों, वक्ताओं और कृषक प्रतिनिधियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया, जिसके पश्चात सामूहिक भोज के साथ कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई।

'मत्स्य पालन विभाग की योजनाओं से बढ़ रही आय, सैकड़ों हितग्राही हुए लाभान्वित'

कोरिया । कोरिया जिले में मत्स्य पालन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं मछुआरों और मत्स्य पालकों की आय बढ़ाने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में पौष्टिक आहार के रूप में मछली की उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक राज्य पोषित मत्स्य पालन प्रसार योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में अनेक योजनाओं का सफल क्रियान्वयन किया गया, जिससे जिले के सैकड़ों हितग्राही लाभान्वित हुए हैं।

'50 प्रतिशत अनुदान पर अंगुलिका संचयन': मत्स्य बीज उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले को वर्ष 2025-26 में 950 लाख स्पान उत्पादन का लक्ष्य प्राप्त हुआ था, जिसके

विरुद्ध 850.09 लाख स्पान का उत्पादन किया गया। इसके आधार पर 70 लाख स्टैंडर्ड फ्राई का उत्पादन किया गया। शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्रों से 250 हितग्राहियों को 50 प्रतिशत अनुदान पर मत्स्य अंगुलिकाओं का वितरण कर तालाबों में संचयन कराया गया।

'स्पान संवर्धन योजना से मौसमी तालाबों को मिला लाभ': स्पान संवर्धन योजना के तहत मौसमी तालाबों के हितग्राहियों को 30 हजार रुपये तक की सहायता प्रदान की जाती है। योजना में मत्स्य बीज, मत्स्य आहार एवं जाल उपलब्ध कराए जाते हैं। वर्ष 2025-26 में जिले के विभिन्न विकासखंडों के 14 हितग्राहियों को इस योजना का लाभ दिया गया।

'फुटकर मछली विक्रेताओं को मिला स्वरोजगार': ग्रामीण क्षेत्रों में ताजी मछली की उपलब्धता बढ़ाने और स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से फुटकर मछली विक्रेताओं को 6 हजार रुपये मूल्य का आईस बॉक्स शत-प्रतिशत अनुदान पर प्रदान किया जाता है।

पीएम सूर्यघर योजना से बदली सतेन्द्र कुमार की जिदंगी, चार माह से बिजली बिल शून्य

खैरागढ़। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ग्रामीण परिवारों के लिए आर्थिक राहत का बड़ा माध्यम बन रही है। इसका एक प्रेरणादायक उदाहरण ग्राम बेन्द्रिडीह के निवासी सतेंद्र कुमार हैं, जिन्होंने योजना का लाभ लेकर अपने घर की छत पर सोलर पैनल स्थापित कराया और अब लगातार चार माह से उनका बिजली बिल शून्य आ रहा है।

सतेंद्र कुमार ने बताया कि योजना का लाभ लेने से पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल औसतन 1500 रुपये तक आता था। गर्मी के मौसम में कूलर, पंखे और अन्य विद्युत उपकरणों के अधिक उपयोग के कारण बिजली खर्च और बढ़ जाता था। इससे परिवार के मासिक बजट पर अतिरिक्त भार पड़ता था। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत सोलर पैनल स्थापित होने के बाद अब उन्हें बिजली बिल की चिंता से पूरी तरह राहत मिल गई है।

सोलर संयंत्र से प्राप्त परिणाम भी उत्साहजनक रहे हैं। बीते माह उनके घर में कुल 478 यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ, जिसमें से 376 यूनिट अतिरिक्त बिजली ग्रिड को भेजी गई।

चावल पापड़ उद्योग : विद्यावती बनीं ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा

रायपुर। चावल पापड़ उद्योग से आत्मनिर्भरता तक विद्यावती बनीं ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणाराष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में दुर्ग जिले के ग्राम पंचायत ननकट्ठी की श्रीमती विद्यावती चौधरी एक प्रेरणादायी उदाहरण बनकर उभरी हैं। उन्होंने न केवल स्वयं आत्मनिर्भरता की राह पर कदम बढ़ाया, बल्कि अपने गांव की अनेक महिलाओं को भी स्वरोजगार से जोड़कर उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की नई कहानी लिखी है।

समूह की बचत एवं आंतरिक ऋण का किया सदुपयोग: आराध्या स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष एवं एफएलसीआरपी के रूप में कार्यरत श्रीमती विद्यावती चौधरी ने समूह की बचत एवं आंतरिक ऋण सुविधा का सदुपयोग करते हुए चावल पापड़ निर्माण और सिलाई केंद्र की शुरुआत की। सीमित संसाधनों और छोटे स्तर पर शुरू किए गए इस प्रयास में समूह की महिलाएं घर-आंगन में मिलकर चावल पापड़ तैयार करती थीं। मेहनत, अनुशासन और गुणवत्ता को आधार बनाकर महिलाओं ने अपने उत्पादों को स्थानीय बाजार में पहचान दिलाई।

समूह के उत्पाद स्थानीय बाजारों में लोकप्रिय: समूह की महिलाएं प्रतिदिन सामूहिक रूप से पापड़ निर्माण का कार्य करती हैं। उनके द्वारा तैयार किए गए

गुणवत्तापूर्ण चावल पापड़ों की मांग लगातार बढ़ती गई, जिससे यह छोटा प्रयास धीरे-धीरे एक सफल ग्रामीण उद्यम के रूप में विकसित हो गया। आज समूह के उत्पाद स्थानीय बाजारों में लोकप्रिय हैं और इससे प्रतिमाह हजारों रुपये की आय अर्जित हो रही है।

परिवार एवं समाज में निर्णय लेने हुई सशक्त: इस उद्यम ने महिलाओं के जीवन में आर्थिक और सामाजिक दोनों स्तरों पर उल्लेखनीय बदलाव लाया है। नियमित आय के माध्यम से परिवारों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है। बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति पहले की अपेक्षा अधिक सहज हो गई है। आर्थिक आत्मनिर्भरता के साथ महिलाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ा है और वे अब परिवार एवं समाज में अपने निर्णय स्वयं लेने की दिशा में सशक्त हुई हैं।

लखपति दीदी बनने का सपना कर रहीं साकार: श्रीमती विद्यावती चौधरी की सफलता यह संदेश देती है कि सही मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और अवसर मिलने पर ग्रामीण महिलाएं भी उद्यमिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर सकती हैं। उनके नेतृत्व में ननकट्ठी की महिलाएं आज आत्मनिर्भरता, सामूहिकता और महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल प्रस्तुत कर रही हैं। बिहान मिशन के सहयोग से संचालित यह पहल ग्रामीण महिलाओं के लिए केवल आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और स्वावलंबन का सशक्त मंच बन गई है। ननकट्ठी की महिलाएं आज अपने उत्पादों के साथ गर्व से खड़ी हैं और ÷लखपति दीदी÷ बनने के सपने को साकार करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं।

रुक्मणी की बगिया में अब धान की जगह उगने लगा सोना

रायपुर। आदिवासी बहुल और वनांचल क्षेत्रों में जब कोई महिला अपने जज्बे से तकदीर बदलती है, तो उसकी गूंज दूर तक सुनाई देती है। नारायणपुर जिले के छोटे से गाँव एड़का की रहने वाली श्रीमती रुक्मणी नाग की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। आज वे सिर्फ एक किसान नहीं हैं, बल्कि पूरे इलाके के लिए आत्मनिर्भरता और आधुनिक खेती की एक नई मिसाल बन चुकी हैं।

परंपरा का गतिरोध और बदलाव की छटपटाहट

कुछ समय पहले तक रुक्मणी की जिंदगी भी गांव के आम किसानों जैसी ही थी। पीढ़ी दर पीढ़ी चले आ रहे ढर्रे पर वे हर साल अपने खेतों में धान बोती थीं। सुबह से शाम तक पसीना बहाने के बाद भी जब फसल कटकर घर आती, तो हाथ में इतनी रकम भी नहीं बचती थी कि अगली फसल की लागत आसानी से निकल सके। बढ़ती महंगाई, खाद-बीज के ऊंचे दाम और मौसम के बदलते मिजाज ने धान की खेती को घाटे का सौदा बना दिया था। रुक्मणी इस बात से परेशान थीं कि मेहनत के बावजूद परिवार की आर्थिक स्थिति जस की तस बनी हुई थी। वे इस ढर्रे को तोड़ना चाहती थीं, पर रास्ता नहीं सूझ रहा था।

एक मुलाकात और बदल गई राह

रुक्मणी के जीवन में नया मोड़ तब आया, जब उनकी मुलाकात उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों से हुई। अधिकारियों ने उनकी समस्या को समझा और उन्हें एक नया नजरिया दिया फसल विविधीकरण। विभाग ने उन्हें सलाह दी कि वे केवल धान के भरोसे न रहें, बल्कि अपने खेत के एक हिस्से में नकदी फसलें यानी सब्जियां उगाना शुरू करें। शुरुआत में थोड़ी झिझक थी, क्योंकि नई पद्धति से खेती करने का कोई पुराना अनुभव नहीं था। लेकिन उद्यानिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और अधिकारियों के भरोसे ने रुक्मणी के भीतर एक नया साहस फूंक दिया।

मेहनत रंग लाई– 15 हजार की लागत, दोगुना मुनाफा

विभागीय सलाह को अमली जामा पहनाते हुए रुक्मणी ने अपने खेत में वैज्ञानिक पद्धति से टमाटर, करेला और मिर्च की बुवाई कर दी। इस नई शुरुआत में उन्होंने तकरीबन 15 हजार रुपये की पूंजी लगाई। इसके बाद शुरू हुआ उनकी कड़ी मेहनत और विभाग की देखरेख का दौर। वे रोज सुबह अपने सपनों को खेतों में फलते-फूलते देखतीं।

जल्द ही उनकी यह मेहनत रंग लाई। खेतों में लाल टमाटर और हरे-भरे करेले लहलहाने लगे। जब वे इस उपज को लेकर स्थानीय बाजार में पहुंचीं, तो उन्हें अपनी उम्मीद से कहीं बेहतर दाम मिले। महज कुछ महीनों की इस फसल से रुक्मणी को 30 से 40 हजार रुपये की आमदनी हुई। यानी लागत निकालने के बाद भी मुनाफा दोगुने से ज्यादा था।

घर की दहलीज से निकलकर बनीं रोल मॉडल

इस मुनाफे ने न केवल रुक्मणी की जेब को मजबूती दी, बल्कि उनके आत्मसम्मान को भी सातवें आसमान पर पहुंचा दिया। परिवार की आर्थिक तंगी दूर हो गई और घर में खुशहाली ने दस्तक दी। ?रुक्मणी की इस चमत्कारी सफलता की महक धीरे-धीरे पूरे एड़का गांव और आसपास के इलाकों में फैल गई। जो किसान पहले सब्जियों की खेती को जोखिम भरा मानते थे, वे अब रुक्मणी के पास आकर उन्नत खेती के गुर सीख रहे हैं। वे आसपास के गांवों के लिए एक श्रोल मॉडलश् बन चुकी हैं।

किसान हितैषी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का दिल से आभार

अपनी इस कामयाबी पर चेहरे पर एक संतोषजनक मुस्कान लिए रुक्मणी नाग कहती हैं कि ?धान की पारंपरिक खेती से हमारी लागत भी नहीं निकल पा रही थी। लेकिन जब से मैंने उद्यानिकी फसलों को अपनाया, मेरी जिंदगी बदल गई। मैं किसानों के हित में सोचने वाली हमारी सरकार और किसान हितैषी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का दिल से आभार मानती हूँ, जिनकी योजनाओं और विभागीय सहयोग के कारण मुझ जैसी एक आम महिला आज अपने पैरों पर खड़ी हो सकी है। मेरा तो यही मानना है कि अगर हम अपनी सोच बदलें और नई तकनीक अपनाएं, तो हमारी धरती वाकई सोना उगल सकती है।

उद्यानिकी विभाग की इस मुहिम और रुक्मणी के अटूट जज्बे ने यह साबित कर दिया है कि बस्तर का किसान अब सिर्फ अन्नदाता नहीं, बल्कि नए दौर का आत्मनिर्भर और प्रगतिशील व्यवसाई भी बन रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल से जशपुर की महिलाएं बनेंगी 'ड्रोन दीदी'

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और कृषि में आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में जशपुर जिले की स्व-सहायता समूहों की महिलाएं नई पहचान बना रही हैं। नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत जिले की चयनित महिलाएं इन दिनों रायपुर स्थित आईटीएम विश्वविद्यालय में ड्रोन संचालन एवं रिमोट पायलटिंग का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

यह प्रशिक्षण महिलाओं को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ने के साथ उन्हें कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाएं ड्रोन आधारित कृषि सेवाएं देने के लिए दक्ष बन रही हैं।

प्रशिक्षण के दौरान ड्रोन दीदियों को ड्रोन की तकनीकी संरचना, सुरक्षित उड़ान संचालन, रिमोट पायलटिंग, फसलों में उर्वरक एवं कीटनाशकों का वैज्ञानिक छिड़काव, ड्रोन के रखरखाव तथा कृषि क्षेत्र में उसके व्यावहारिक उपयोग की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद ये ड्रोन दीदियां जशपुर जिले के किसानों को ड्रोन के माध्यम से नैनो उर्वरक, कीटनाशक एवं अन्य कृषि कार्यों की सेवाएं उपलब्ध कराएंगी। इससे कृषि कार्य कम समय में, कम लागत पर और अधिक प्रभावी ढंग से किए जा सकेंगे। साथ ही वैज्ञानिक खेती को भी बढ़ावा मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने हाल ही में जशपुर प्रवास के दौरान प्रशिक्षण के लिए रवाना हो रही ड्रोन दीदियों की बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। इससे पूर्व 17 अप्रैल 2026 को रणजीता स्टेडियम में आयोजित 'लखपति दीदी' कार्यक्रम के दौरान ड्रोन दीदी एवं उन्नत सॉयल टेस्टिंग मशीन भी प्रदान की गई थी। 0संचालक कृषि, जशपुर के अनुसार प्रशिक्षण के बाद ड्रोन दीदियां जिले के विभिन्न विकासखंडों में किसानों को तकनीक आधारित कृषि सेवाएं उपलब्ध कराएंगी। इससे खेती में समय की बचत, लागत में कमी और उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप महिलाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़कर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग का विश्वास है कि यह पहल जशपुर में तकनीक आधारित कृषि को नई गति देने के साथ महिला स्व-सहायता समूहों की आर्थिक सशक्तता और किसानों की आय बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

महिलाओं की सहभागिता से उत्साहपूर्वक मनाया गया सहकारिता सप्ताह

भिलाई। सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सहकारिता सप्ताह-2026 के अंतर्गत आज दुर्ग जिले के रामनगर, भिलाई स्थित कर्मा साहू सदन में महिलाओं की गरिमामयी सहभागिता के साथ कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण, सहकारिता की उपयोगिता, स्व-सहायता समूहों की भूमिका तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सहकारिता के बढ़ते महत्व पर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक विकास का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, आत्मनिर्भरता और सामूहिक प्रगति का सशक्त आधार है।

कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने सहकारिता आंदोलन को गांव-गांव तक पहुँचाने तथा अधिकाधिक महिलाओं को सहकारी गतिविधियों एवं स्व-सहायता समूहों से जोड़ने का संकल्प लिया। प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सहकारिता ने महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता विकसित करने का भी अवसर प्रदान किया है।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से सहकारी संस्थाएँ और अधिक सशक्त बन रही हैं तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल रही है। महिलाओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने पूरे आयोजन को प्रेरणादायी एवं सफल बनाया।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने सहकारिता की भावना को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लेते हुए एक स्वर में कहा–

"बिना संस्कार नहीं सहकार, बिना सहकार नहीं उद्धार।"

सहकारी सप्ताह के शुभारंभ पर जिला संघ रायपुर में किया गया सहकारी ध्वजारोहण

रायपुर। सहकारिता मंत्रालय के 5 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेश के सभी पैक्सों व जिलों में 29 जून से 06 जुलाई तक 'सहकारिता सप्ताह-2026' का आयोजन किया जा रहा है।

जिला सहकारी संघ मर्यादित, रायपुर द्वारा रायपुर जिला की उपायुक्त सहकारिता श्रीमती पूर्णिमा सिंह ने ध्वजारोहण किया। जिला संघ की प्रबंधक मंजूषा तिवारी ने बताया कि, सहकारी सप्ताह के दौरान प्रदेशभर में सहकारिता जागरूकता अभियान, सहकार दौड़, वृक्षारोपण, रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, संगोष्ठियां, प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा उत्कृष्ट सहकारी संस्थाओं एवं सहकारिता से जुड़े व्यक्तियों के सम्मान सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

राज्य स्तरीय सहकारी चिंतन शिविर, सहकार मेला, अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस समारोह एवं सहकारी संगोष्ठी का आयोजन 3 एवं 4 जुलाई 2026 को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित कृषि मंडपम ऑडिटोरियम, लाभांडी (रायपुर) में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि तथा सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप अध्यक्षता करेंगे। सहकारी संस्थाओं और राष्ट्रीय संगठनों की होगी भागीदारी कार्यक्रम में पैक्स, दुग्ध, मत्स्य, लघु वनोपज, बुनकर एवं अन्य सहकारी समितियों के साथ-साथ नाबार्ड, एनसीडीसी, एनसीसीएफ, नैफेड, सीएससी, इफ्को, कृभको, राज्य सहकारी संघ तथा अन्य प्रमुख संस्थाएं अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेंगी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर छग राज्य सहकारी संघ के अध्यक्ष सौरभ शर्मा, रायपुर जिले उपायुक्त सहकारिता श्रीमती पूर्णिमा सिंह, जिला संघ के प्राधिकृत अधिकारी पीसी ध्रुव, जिला सहकारी संघ रायपुर की प्रबंधक श्रीमती मंजूषा तिवारी, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक शाखा चौबे कॉलोनी के प्रबंधक एवं राज्य सहकारी संघ, जिला संघ एवं बैंक के अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नाफेड ने शुरू की किसान हितैषी नई पहल छत्तीसगढ़ के शशिकांत द्विवेदी ने लिया हिस्सा

रायपुर। नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफइंडिया (नाफेड) ने किसानों को बिचौलियों से मुक्त करने और उन्हें सीधा लाभ पहुंचाने के लिए चार प्रमुख पहलों की शुरुआत की है। इनमें ह्लस्नश्वङ्ग.द्बठ्ठ, दृष्टि, ई.आर.पी. और नाफेड कल्याण शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ के प्राधिकृत अधिकारी एवं नाफेड संचालक श्री शशिकांत द्विवेदी ने 22 एवं 23 जून को नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में इन पहलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ह्लस्नश्वङ्ग.द्बठ्ठ पोर्टल विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। वर्ष 2014 में नाफेड बंद होने की कगार पर था, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की आर्थिक सहायता से इसे फिर से मजबूती दी गई। आज नाफेड 30,000 करोड़ रुपये के टर्नओवर और 500 करोड़ रुपये के मुनाफे के साथ देश के 74 लाख से अधिक किसानों की सेवा कर रहा है।

दलहन का एक-एक दाना खरीदेगी सरकार

श्री द्विवेदी ने कहा कि नाफेड कि, नई व्यवस्था के तहत किसानों को उनकी उपज की कमाई मात्र 48 घंटे के अंदर सीधे बैंक खाते में पहुंचाई जा रही है। अगले दो वर्षों में दालहन की एक-एक दाना खरीदी नाफेड द्वारा की जाएगी। साथ ही किसानों के बच्चों की उच्च शिक्षा और कैरियर के लिए नाफेड कल्याण योजना शुरू की गई है, जिसमें मुनाफे का एक हिस्सा किसान परिवारों को दिया जाएगा।

केंद्रीय मंत्रियों ने किया शुभारंभ'

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 23 जून को नई दिल्ली में NFEX.in पोर्टल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर, नाफेड के अध्यक्ष श्री जे.एम. अहीर और अन्य गणमान्य अधिकारी उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ से श्री शशिकांत द्विवेदी सहित नाफेड के विभिन्न राज्यों के संचालक/ प्राधिकृत अधिकारी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

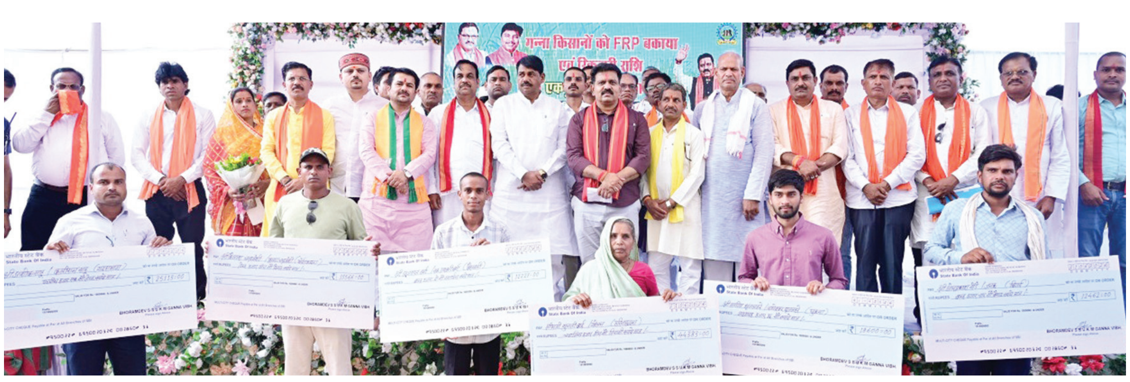

किसानों के चेहरे पर मिठास : भोरमदेव शक्कर कारखाना ने रचा भुगतान का नया रिकॉर्ड

रायपुर। गन्ना किसानों के लिए सबसे बड़ी चिंता अक्सर समय पर भुगतान की होती है, लेकिन कबीरधाम जिले का भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना इस मामले में देश के लिए मिसाल बना है। लगातार दूसरे वर्ष कारखाने ने जून माह में ही किसानों को समर्थन मूल्य (एफआरपी) और अतिरिक्त रिकवरी राशि का शत-प्रतिशत भुगतान कर देश के सहकारी शक्कर उद्योग में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यही कारण है कि यह कारखाना केवल चीनी उत्पादन का केंद्र नहीं, बल्कि किसानों के भरोसे और सहकारिता की सफलता का प्रतीक बन गया है।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की उपस्थिति में 29.83 करोड़ रुपये सीधे किसानों के बैंक खातों में अंतरित किए गए। इसमें 6.91 करोड़ रुपये एफआरपी की शेष राशि और 22.92 करोड़ रुपये अतिरिक्त रिकवरी राशि शामिल है। इसके साथ ही पेराई सत्र 2025-26 में किसानों को कुल 107.10 करोड़ रुपये का भुगतान पूरा हो गया है।

हजारों किसानों का अपना संस्थान है शक्कर कारखाना : शर्मा

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि, यह उपलब्धि केवल आर्थिक भुगतान नहीं,

बल्कि किसानों और सहकारिता व्यवस्था के बीच मजबूत विश्वास का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि भोरमदेव शक्कर कारखाना किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि हजारों किसानों का अपना संस्थान है। उन्होंने किसानों से अधिक से अधिक गन्ना उत्पादन और आपूर्ति करने का आह्वान करते हुए आगामी सत्र में चार लाख मीट्रिक टन से अधिक गन्ना पेराई का लक्ष्य हासिल करने का आह्वान किया।

किसान हितैषी नवाचार भी चल रहे

भोरमदेव शक्कर कारखाना केवल समय पर भुगतान नहीं बल्कि किसान हितैषी नवाचारों के कारण भी चर्चा में है। लगातार तीसरे वर्ष 12 प्रतिशत से अधिक शुगर रिकवरी, रियायती दर पर शक्कर वितरण में सहभागिता, 'बलराम सदन' कृषक प्रतीक्षालय, मिट्टी परीक्षण सुविधा, प्रेसमड वितरण, उन्नत गन्ना बीज एवं सीडलिंग और नियमित प्रशिक्षण जैसी पहलें किसानों की लागत कम करने और उत्पादन ब?ाने में मददगार हैं। वहीं, कारखाना परिसर में संचालित शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना के तहत श्रमिकों को मात्र पांच रुपये में भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

भोरमदेव मॉडल देश के सहकारी शक्कर कारखानों के लिए प्रेरणा बना

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना के चेयरमैन एवं कलेक्टर गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में अपनाई गई पारदर्शी और किसान-केंद्रित कार्यप्रणाली ने इसे देश के अग्रणी सहकारी शक्कर कारखानों में शामिल कर दिया है। समय पर भुगतान, आधुनिक तकनीक, उत्पादन वृद्धि और किसानों की सक्रिय भागीदारी ने यह साबित कर दिया है कि जब सहकारिता मजबूत होती है तो केवल उद्योग नहीं, बल्कि पूरी ग्रामीण अर्थव्यवस्था नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ती है। यही वजह है कि आज भोरमदेव मॉडल देश के अन्य सहकारी शक्कर कारखानों के लिए भी प्रेरणा बनता जा रहा है।

ऐतिहासिक पुरानी कचहरी बनी शिक्षा और संस्कृति का नया केंद्र

रायपुर। जिला मुख्यालय कांकेर स्थित ऐतिहासिक पुराना कचहरी परिसर में शिक्षा, संस्कृति और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य का सशक्त केंद्र बनकर उभर रहा है। जिला प्रशासन द्वारा संचालित सेंट्रल लाइब्रेरी-सह-मावा मोदोल विद्यार्थियों और युवाओं के लिए प्रेरणा का केंद्र बन चुका है। यहां अध्ययनरत छात्र-छात्राएं न केवल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, बल्कि अपने सपनों को साकार करने की दिशा में भी मजबूती से कदम बढ़ा रहे हैं।

जिला प्रशासन की महत्वाकांक्षी पहल 'हमर लक्ष्य' के अंतर्गत विकसित यह केंद्र आज शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षा मार्गदर्शन, भाषा संरक्षण और सांस्कृतिक संवर्धन का उत्कृष्ट उदाहरण बन चुका है। यह पहल युवाओं के सपनों को नई दिशा देने के साथ-साथ जिले की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

सेंट्रल लाइब्रेरी-सह-मावा मोदोल के नोडल अधिकारी एवं जिला मिशन समन्वयक श्री नवनीत पटेल ने बताया कि वर्तमान में प्रतिदिन लगभग एक हजार विद्यार्थी इस अध्ययन केंद्र का लाभ ले रहे हैं। यहां विद्यार्थियों के लिए शांत एवं सुव्यवस्थित अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराया गया है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। इसके साथ ही उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा की तैयारी के लिए मैराथन क्लासेस आयोजित की जा रही हैं, जिनका लाभ बड़ी संख्या में अभ्यर्थी उठा रहे हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री रमेश कुमार निषाद के मार्गदर्शन में इस अध्ययन केंद्र को और अधिक विकसित करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। यहां उपलब्ध सुविधाओं और विशेषज्ञ मार्गदर्शन का सकारात्मक परिणाम है कि अब तक इस केंद्र से अध्ययन कर चुके 89 युवाओं ने विभिन्न शासकीय पदों पर सफलता प्राप्त की है। यह उपलब्धि इस केंद्र की उपयोगिता और प्रभावशीलता को प्रमाणित करती है।

पुराना कचहरी परिसर केवल शिक्षा का केंद्र ही नहीं, बल्कि आदिवासी संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण का भी महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। परिसर में स्थापित कोयाबाना आदिवासी संग्रहालय स्थानीय जनजातीय संस्कृति, परंपराओं, जीवन-शैली और इतिहास को संरक्षित करने का कार्य कर रहा है। इसके साथ ही यहां गोंडी एवं हल्बी भाषाओं का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। वर्तमान में लगभग 80 विद्यार्थी इन भाषाओं के अध्ययन से जुड़े हुए हैं, जिससे नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रह सकें।

स्वामी छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर द्वारा प्रकाशक एवं मुद्रक विवेकानंद झा द्वारा क्वालिटी आफसेट, पुरानी बस्ती, रायपुर से मुद्रित कराकर छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित 16, पार्क स्ट्रीट-3, चौबे कालोनी रायपुर से प्रकाशित।
संपादक मंडल- विवेकानंद झा (प्रधान संपादक), विवेक पांडे (संपादक), फोन- 0771-4061702, 4031702, 4035702. वेबसाईट www.cgcoop.in E-mail: cgcoopnews@gmail.com